Date
31/05/2020

Subject - (New Efforts in Elementary Education)
Topic - (Complete Literacy Campaign)

D.El.Ed.
2nd Sem

सम्पूर्ण साक्षरता अभियान
या
राष्ट्रीय साक्षरता अभियान

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की स्थापना एक सामाजिक तथा प्रौद्योगिकी अभियान के रूप मे 5 मई 1988 को राष्ट्रीय स्तर पर की गई थी। इसका उद्देश्य 2007 तक साक्षरता का 75% न्यूनतम स्तर पर प्राप्त करना है। राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के पश्चात 26 जनवरी 1989 मे केरल राज्य ने एक विकल्प के रूप मे एर्नाकुलम जनपद मे सम्पूर्ण साक्षरता अभियान प्रारम्भ किया।

परिणामस्वरूप साक्षरता अभियान मे मात्र 15-35 वर्ष वर्ग के निरक्षरो के साथ-साथ प्राइमरी स्कूलो मे न जाने वाले बच्चो व व्यस्क निरक्षरो को भी अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रो पर भी जाने के लिए प्रेरित किया जा रहा था।

अतः भारत सरकार ने सम्पूर्ण साक्षरता अभियान वाला उपागम अंगीकृत करके अन्य राज्यो मे भी कार्य प्रारम्भ कर दिया।

सम्पूर्ण साक्षरता अभियान की विशेषताएं :-

1. अभियान की सफलता "पूर्णरूप" से जनता की अभिप्रेरणा एवं सामुदायिक सहयोग पर निर्भर है
2. इस अभियान मे ब्राह्य लक्ष्यों को शामिल नही किया गया है, इसमे लक्ष्यो की प्राप्ति स्थानीय स्तर पर सर्वे द्वारा पूर्ण की गई है
3. इस अभियान मे त्रुटि - निवारण एवं जन - सहभागीता के पक्षो को समाहित किया गया है

P.T.O.

Scanned with CamScanner

सम्पूर्ण साक्षरता अभियान के लक्ष्य :-

इस अभियान का मुख्य लक्ष्य देश से निरक्षरता को शीघ्र दूर कर, राज्य स्तरीय शिक्षा को सुदृढ़ बनाकर, शिक्षा के नए आयामों को प्राप्त करना है।

सम्पूर्ण साक्षरता अभियान के प्रभाव / लाभ :-

1) देश के साक्षर हो जाने पर गरीबी उन्मूलन में सहायता मिलेगी।

2) हमारे देश की प्रजातांत्रिक व्यवस्था सुदृढ़ होगी।

3) एक ऐसे समाज का निर्माण होगा जिसमें प्रत्येक व्यक्ति साक्षर बनने के लिए प्रयासरत होगा।

4) व्यक्ति अपनी क्षमताओं व दक्षताओं को अर्जित करेंगे क्योंकि साक्षरता इसका मूल साधन बनेगी।

सम्पूर्ण साक्षरता अभियान कार्यक्रम संचालन में उत्तरदायी अभिकरण :-

1) **जिला शिक्षा समितियाँ** :- जिला साक्षरता समितियों द्वारा सम्पूर्ण साक्षरता अभियान का संचालन किया जाता है। समिति की साधारण सभा के अध्यक्ष प्रभारी मण्डलीय मंत्री एवं समिति की कार्यकारणी के सभापति D.M. होते है।

2) **स्वैच्छिक संगठन** :- स्वैच्छिक संगठन भी जिला शिक्षा समिति के प्रति उत्तरदायी होते है। क्षेत्रीय जनता का शत-प्रतिशत व प्रशासनिक लागत का 75% भारत सरकार द्वारा अनुदान के रूप में इन संगठनों को दिया जाता है।

3) **अन्य अभिकरण** :- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, तकनीकी विद्यापीठ एवं नेहरू युवा केन्द्र संगठन आदि सम्पूर्ण साक्षरता अभियान के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

Complete--

9/05/2020

Scanned with CamScanner